



VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

Rawatbhata Road, Kota- 324021

रावतभाटा रोड़, कोटा-324021

निविदा-सूचना

(निविदा सं० 10 / 2024-25)

विश्वविद्यालय परिसर स्थित कुलपति निवास के किचन में रेनोवेशन व मोड्यूलर कार्य करवाने हेतु जी०एस०टी० में पंजीकृत फर्मों से राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 व नियम 2013 (समय-समय पर हुए संशोधन के साथ) के अन्तर्गत सीलबन्द निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं –

कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा डाउनलोड करने की तिथि	निविदा प्रस्तुत करने की तिथि	निविदा खोलने की तिथि	कार्य अवधि
विश्वविद्यालय परिसर स्थित कुलपति निवास के किचन में रेनोवेशन व मोड्यूलर कार्य	3.50 लाख	7000.00	500.00	18.07.2024 से 24.07.2024 तक	25.07.2024 को दोपहर 1.30 बजे तक	25.07.2024 को दोपहर 2.00 बजे तक	01 माह

निविदा प्रपत्र www.vmou.ac.in or www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकेंगे। इच्छुक निविदादाता उक्त वेब साईट से निविदा प्रपत्र निर्धारित दिनांक तक डाउनलोड कर मय निविदा शुल्क राशि रू० 500/- का डी०डी० एवं धरोहर राशि रू० 7,000 का डी० डी० संलग्न कर निर्धारित तिथि व समय पर विश्वविद्यालय के कक्ष संख्या 03, सम्पदा प्रकोष्ठ, प्रशासनिक भवन, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा-324021 में दिनांक 25.07.2024 को दोपहर 1.30 बजे तक जमा करवा सकता है जो कि उसी दिन दोपहर 2.00 बजे खोली जावेगी। निविदा सीलबन्द लिफाफे में रखकर (जिस पर मोटे अक्षरों में "विश्वविद्यालय परिसर स्थित कुलपति निवास के किचन में रेनोवेशन व मोड्यूलर कार्य" अंकित कर प्रस्तुत की जावे। समस्त डिमाण्ड ड्राफ्ट "वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा" के नाम देय होंगे। किसी भी प्रकार का संशोधन होने पर (यदि होगा) तो उक्त वेब साईट पर ही उपलब्ध होगा। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित रहेगा।

प्रभारी अधिकारी
सम्पदा

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा
(NIB No. - 10/2024-25)

(अनुमानित लागत-3.50 लाख)

—: निविदा प्रपत्र :-

- कार्य का नाम (जिसके लिए निविदा प्रस्तुत की जा रही है :- विश्वविद्यालय परिसर स्थित कुलपति निवास के किचन में रेनोवेशन व मोड्यूलर कार्य करवाने हेतु
- निविदा प्रस्तुत करने वाली फर्म का नाम एवं पता.....
.....दूरभाष नम्बर.....
- प्रोपराइटर का नाम
- मोबाइल नं.
- जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन क्रमांक (प्रति संलग्न करें)
- पैन नम्बर (प्रति संलग्न करें)
- हस्ताक्षरित निविदा शर्त
- अनुलग्नक ए,बी,सी एवं डी की हस्ताक्षरित प्रति
- निविदा प्रपत्र शुल्क राशि रुपये 500/- का डी.डी./बैंकर चैक नम्बर दिनांक बैंक
..... का संलग्न है।
- बोली प्रतिभूति (धरोहर) राशि रुपये 7,000/- का डी0डी0/बैंकर चैक नम्बर.....
दिनांक बैंक..... का संलग्न है।

हस्ताक्षर निविदादाता मय मोहर

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा
(NIB No. - 10/2024-25)

विश्वविद्यालय परिसर स्थित कुलपति निवास के किचन में रेनोवेशन व मोड्यूलर कार्य करवाने हेतु

निविदा की शर्तें

1. इस विश्वविद्यालय में स्थित माननीय कुलपति महोदय के निवास स्थान पर स्थित किचन रेनोवेशन व मोड्यूलर कार्य करने बाबत निविदाएँ निर्धारित तिथि एवं समय तक आमंत्रित की जाती हैं। सीलबन्द निविदाएँ जिस पर कार्य का नाम "विश्वविद्यालय में स्थित माननीय कुलपति महोदय के निवास स्थान पर स्थित किचन रेनोवेशन व मोड्यूलर कार्य करने बाबत निविदा" लिखा जाना होगा।
2. निविदा किसको संबोधित की जानी है :- प्रभारी अधिकारी, सम्पदा प्रकोष्ठ, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा।
3. निविदादाता का जी.एस.टी. एक्ट के तहत पंजीयन होना अनिवार्य है। जी.एस.टी. पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रति निविदा के साथ संलग्न करनी होगी। साथ ही पेन कार्ड की प्रति, निविदा प्रपत्र राशि, धरोहर राशि के डिमाण्ड ड्राफ्ट एवं निविदा शर्तों पर सहमति हेतु हस्ताक्षरित प्रति व अनुलग्नक ए,बी,सी,डी की हस्ताक्षरित प्रति संलग्न करनी आवश्यक है। उक्त के अभाव में निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी।
4. शर्त निविदा मान्य नहीं होगी। निविदा शर्तों के प्रत्येक पेज पर निविदादाता के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।
5. दरें समस्त कर सहित होनी चाहिए। पृथक से कोई अतिरिक्त कर का भुगतान नहीं किया जावेगा।
6. कार्य के लिए आवश्यक तोड़-फोड़ (Dismantling) एवं उसकी मरम्मत का कार्य फर्म को स्वयं करना होगा। जिसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा कोई अतिरिक्त भुगतान देय नहीं होगा।
7. कार्य स्थल परिसर पर कार्य के दौरान प्रतिदिन साफ-सफाई फर्म को सुनिश्चित करनी होगी।
8. निविदा के साथ संलग्न किये जाने वाले सभी दस्तावेज पूर्ण रूप से मांग के अनुसार होना चाहिए। किसी प्रकार से अपूर्ण दस्तावेज होने पर उस निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा।
9. सफल निविदादाता को निविदा की कार्यादेश राशि का 5 प्रतिशत कार्य संपादन प्रतिभूति राशि के रूप में डी.डी. अथवा बैंकर चैक के माध्यम से जमा करानी होगी तथा निविदा के साथ संलग्न प्रारूप एस.आर.-17 में 500/-रुपये के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर कार्य आदेश जारी होने के सात दिवस के अन्दर करार निष्पादित करना होगा। स्टाम्प का व्यय निविदादाता द्वारा स्वयं वहन किया जावेगा। बोली प्रतिभूति राशि इसमें समायोजनीय होगी। निम्न स्थितियों में कार्य संपादन प्रतिभूति को जब्त किया जा सकता है—
 - (क) जब संविदा के किन्ही निबंधनों और शर्तों का उल्लंघन किया गया हो।
 - (ख) जब निविदादाता संपूर्ण प्रदाय संतोष जनक ढंग से करने में असफल रहा हो।
 - (ग) प्रतिभूति निक्षेप (एस.डी.) को समपहृत करने के मामले में युक्तियुक्त समय पूर्व नोटिस दिया जावेगा। इस संबंध में क्रेताधिकारी का निर्णय अंतिम होगा।
10. सम्पूर्ण निविदा या उसके किसी भाग को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा को होगा। आवश्यकतानुसार कोई अन्य शर्त निविदादाता को मान्य होगी।
11. बोली प्रतिभूति राशि का निम्न परिस्थितियों में समपहरण किया जा सकेगा:—
 - जब बोली दाता बोली खोले जाने के पश्चात किन्तु बोली की स्वीकृति से पूर्व बोली वापिस ले लेता है या प्रस्ताव को उपान्तरित कर देता है।
 - जब बोली दाता निर्दिष्ट समय के भीतर विहित करार, यदि कोई हो, सम्पादित नहीं करता।
 - जब प्रदाय आदेश दिये जाने के पश्चात बोलीदाता प्रतिभूति राशि जमा नहीं करता।
 - जब वह विहित समय के भीतर प्रदाय आदेश के अनुसार मदों का प्रदाय प्रारम्भ करने में विफल रहता है।
12. सफल बोलीदाता अपने कार्य/संविदा को अथवा उसके किसी भाग को किसी अन्य व्यक्ति /फर्म/एजेन्सी को नहीं सौपेगा या सब-लेट नहीं करेगा।
13. देय भुगतान में से नियमानुसार स्रोत पर आयकर (TDS) व जी.एस.टी. एक्ट के तहत TDS कटौती की जावेगी।
14. निविदा प्रपत्र की शर्तें, सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियम तथा राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम, 2013 में उल्लेखित नियम उपापन संस्था व निविदादाता दोनों को मान्य होंगे।
15. स्वीकृत निविदादाता को सभी सामग्री अच्छी क्वालिटी व अच्छे मूल्य की देनी होगी।

16. न्यूनतम दरें स्वीकार करने के लिए क्रय समिति बाध्य नहीं है। निविदा स्वीकृति में दरों के साथ-साथ सामग्री का मैक/क्वालिटी/पूर्वअनुभव व निविदादाता के पास उपलब्ध संसाधन आदि के आधार को भी ध्यान में रखा जावेगा।
17. स्वीकृत निविदादाता को सामग्री/सेवाओं की व्यवस्था उपापन संस्था की आवश्यकतानुसार (संबंधित प्रभारी अधिकारी के निर्देशानुसार) अविलम्ब करनी होगी। आवश्यक समझे जाने पर निविदादाता द्वारा उपलब्ध करवायी जाने वाली सामग्री/सेवाओं की जांच की जा सकेगी। संबंधित प्रभारी अधिकारी के प्रमाणीकरण के अनुसार भुगतान किया जावेगा।
18. निविदादाता को निविदा में अंकित अवधि में उपकरण की आपूर्ति करनी होगी अन्यथा विलम्ब से आपूर्ति करने पर निम्नानुसार परिसमापित नुकसानी (Liquidated Damage) की कटौती की जायेगी—
- | | |
|--|-------------|
| d —विहित परिदान कालावधि की एक चौथाई कालावधि का विलम्ब | 2.5 प्रतिशत |
| l —विहित कालावधि की एक चौथाई से अधिक किन्तु आधे से अधिक कालावधि का विलम्ब | 5 प्रतिशत |
| x —विहित कालावधि से आधे से अधिक किन्तु तीन चौथाई तक की कालावधि का विलम्ब | 7.5 प्रतिशत |
| l —विहित कालावधि के तीन चौथाई से अधिक की कालावधि का विलम्ब | 10 प्रतिशत |
19. प्रदाय में विलम्ब की गणना करते समय दिन के भाग की अवहेलना कर दी जावेगी यदि वह आधे दिन से कम है।
20. निर्धारित नुकसान की अधिकतम रकम 10 प्रतिशत होगी।
21. यदि किसी बाधा के कारण संविदात्मक प्रदाय की पूर्ति में प्रदायक समय की वृद्धि चाहता है तो वह डीन/सक्षम प्राधिकारी को बाधा के गठित/उत्पन्न होते ही उसके लिए लिखित में तुरन्त आवेदन करेगा।
22. यदि माल/सेवा के प्रदाय में विलम्ब बोलीदाता के नियन्त्रण से परे बाधाओं के कारण हो तो परिदान कालावधि को पूर्व अनुमति पर निर्धारित नुकसान सहित या उसके बिना, बढ़ाया जा सकेगा।
23. प्रदाय की गई समस्त वस्तुएं बोली प्रारूप में अभिकथित विनिर्देश, ट्रेडमार्क के अनुरूप होगी तथा कई वस्तुएं आई.एस.आई./आई.एस.ओ./एगमार्क आदि विनिर्देशों के अनुरूप होना अपेक्षित हो, तो वे वस्तुएं उन्हीं विनिर्देशों के अनुरूप होगी और उन पर ऐसा मार्क होना ही चाहिए।
24. बोलीदाता द्वारा प्रदाय किया गया माल निविदा में वर्णित विवरण और क्वालिटी के अनुरूप नहीं पाया जाने की स्थिति में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय अस्वीकृत करने हेतु अधिकृत होगा। जिस पर बोलीदाता को वांछित क्वालिटी का माल प्रदाय करना होगा।
25. विलम्ब से प्राप्त होने वाली बोलियों पर विचार नहीं किया जायेगा। विलम्ब के लिए बोलीदाता स्वयं ही जिम्मेवार होगा। यहकार्यालय जिम्मेवार नहीं होगा।
26. बोलीदाता को किसी शर्त के संबंध में संशय होने पर निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक से पूर्व तक कार्यालय में किसी कार्य दिवस में संपर्क कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
27. न्यायिकवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र कोटा होगा।
28. प्रथम अपील अधिकारी कुलपति, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय एवं द्वितीय अपील अधिकारी प्रमुख शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग होंगे।

प्रभारी अधिकारी (सम्पदा)

उक्त शर्तों की पालना हेतु हम सहमत हैं।

हस्ताक्षर निविदादाता

मय मोहर

Annexure A: **Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest**

Any person participating in a procurement process shall –

- a) Not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process.
- b) Not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- c) Not indulge in any collusion, Bid rigging or anti-competitive behaviour to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process:
- d) Not misuse any information shared between the procuring Entity and the Bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process:
- e) Not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any part or to its property to influence the procurement process;
- f) Not obstruct any investigation or audit of a procurement process;
- g) Disclose conflict of interest, if any; and
- h) Disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of Interest :-

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

A Conflict of Interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

- (i) A Bidder may be considered to be in conflict of interest with one or more parties in a bidding process if, including but not limited to:
 - a. Have controlling partners/shareholders in common : or
 - b. Receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
 - c. Have the same legal representative for purposes of the Bid; or
 - d. Have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another Bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or

- e. The Bidder participates in more than one Bid in a bidding process. Participation by a Bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the Bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid; or
- f. The Bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the Goods, works or services that are the subject of the Bid; or
- g. Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired by the procuring Entity as engineer-in-charge/ consultant for the contract.

Annexure B: Declaration by the Bidder regarding Qualifications

Declaration by the Bidder

In relation to my/our Bid submitted to VMOU, Kota for procurement of Renovation of kitchen in response to their Notice Inviting Bids No. 10 /2024-25 Dated 16.07.2024. I/We hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in public Procurement Act, 2012, that;

- a. I/We possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the procuring Entity;
- b. I/We have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the Bidding Document;
- c. I/We are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up. Not have my/our affairs administrated b y a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of foregoing reasons;
- d. I/We do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
- e. I/We do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and Bidding Document, which materially affects fair competition;

Date :

Place :

Signature of bidder

Name:

Designation:

Address:

Annexure C: Grievance Redressal during Procurement Process

The designation and address of the First Appellate Authority is Vice Chancellor, VMOU, Kota.

The designation and address of the Second Appellate Authority is Additional Chief Secretary, Hr. Education GoR, Jaipur.

(1) Filing an appeal

If any Bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission if the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act of the Rules of the Guidelines issued there under, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in Bidding Document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specified ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in procurements proceeding:

Provided further that in case a Procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the Financial Bids, an appeal related to the matter or Financial Bids may be filed only by Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable.

- (2) The officer to whom an appeal is filed under para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavour to dispose it of within thirty days from the date of the appeal.
- (3) If the officer designated under para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in para (2), or if the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the Bidder or prospective bidder of the Procuring Entity, as the case may be, may file a second appeal to Second Appellate Authority specified in the Bidding Documents in this behalf within 15 Days from the expiry of the period specified in para (2) or of the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.

(4) Appeal not to lie in certain case

No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely :-

- (a) Determination of need of procurement:
- (b) Provisions limiting participation of Bidders in the Bid Process:
- (c) The decision of whether or not to enter into negotiations:
- (d) Cancellation of procurements Process:
- (e) Applicability of the provisions of confidentiality.

(5) Form of Appeal

- (a) An appeal under para (1) or (3) above shall be in the annexed form along with as many copies as there are respondents in the appeal.
- (b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof payment of fee.

- (c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be. In person or through registered post or authorised representative.
- (6) Fee for filing appeal
 - (a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.
 - (b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft of a Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.
- (7) Procedure for disposal of appeal
 - (a) The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.
 - (b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall, -
 - i. Hear all parties to appeal present before him; and
 - ii. Peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.
 - (c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.
 - (d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal.

Annexure D : Additional Conditions of Contract

1. Correction of arithmetical errors

Provided that a Financial Bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basic :

- i. If there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the Procuring Entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;
- ii. If there is an errors in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and
- iii. If there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figure shall prevail subject to (i) and (ii) above.

If the Bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid shall be disqualified and its Bid Security shall be forfeited or its Bid Security Declaration shall be executed.

2. Procuring Entity's Right to vary Quantities

- i. At the time of award of contract of goods, works or services originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a Specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed Fifty percent, of the quantity specified in the Bidding Document. It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the Bid and the conditions of contract.
- ii. If the procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation expect otherwise provided in the conditions of Contract.
- iii. In case of procurement of Goods or services additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 50% of the value of Goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the Supplier fails to do so, the Procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited Bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the Supplier.

3. Dividing quantities among more than one Bidder at the time of award (In case of procurement of Goods)

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the Bidder, whose Bid is accepted. However when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the Bidder, whose Bid is accepted and the second lowest Bidder or even more Bidders in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the Bidder, whose Bid is accepted.

वित्तीय निविदा (Financial bid)

(NIB No. - 10/2024-25)

S.No.	Scope of work	Quantity	Unit	Rate (including all taxes)
1	<p>The existing kitchen of Vice Chancellors' residence is to be upgraded in Modular Kitchen. The upgradation includes the following works:-</p> <ul style="list-style-type: none">a. Providing & fixing of 18mm thick water proof Ply –(ISI make, 710 grade) (Approximate 480sq. Ft)b. Providing & fixing of acrylic Mica (1.5 mm thickness, Colour as per University choice, Approximate 192 sq. Ft.c. Providing & fixing of plain float tinted glass (5mm thick) (colour as per university choice) - 30"x30" 2pc.d. Tandem Box (slim) Size (W x D x H) 32" x 20" x 4" - 2pc 32" x 20" x 6" - 2pc 32" x 20" x 8" - 3pce. Inner side laminate - 8mm thickness (colour - off white) - Approximate = 576 sq. Ft.f. Soft close SS hinges - 0 size (SS - 304 grade / - 40 pieces).g. Corner 165 degree soft close hinges (MS) - 2 pieces.h. Kitchen lift up system - weight capacity 10kg - 2 pieces.i. Chimney - kaff (NOBELO TXDHC 90) (auto clean technology, airflow= 670 + 670 Nm 3/h 1No.j. Pantry - cabinet size (600mm) / W x D x H(mm) 486 x 500 x 1900 - 1 piece.k. Dustbin holder (10") SS grade 304 - 1 piece. <p>The above work shall include all miscellaneous hardware (nails, screw, mesh, fevicol etc) & all dismantling & repairing work required for the purpose. Nothing will be paid extra for this work. All works is to be carried out as per direction of engineer-in-charge.</p>	1	Job	
Total Amount Rs.				

Signature of Tenderer
With seal